

NEXT IAS

दैनिक संपादकीय विश्लेषण

विषय

इटली भारत के लिए क्यों
महत्त्वपूर्ण है?

www.nextias.com

इटली भारत के लिए क्यों महत्वपूर्ण है?

सन्दर्भ

- इटली और भारत के बीच बहुआयामी संबंध और समान हित हैं, साथ ही भारत-भूमध्य सागर में अनेक चुनौतियां हैं, जो इस बात पर प्रकाश डालती हैं कि भारत की वैश्विक आकांक्षाओं के लिए इटली का कितना महत्व है।

परिचय

- तीव्रता से आपस में जुड़ते विश्व में, भारत की विदेश नीति का दायरा पारंपरिक साझेदारियों से आगे बढ़ रहा है। इन उभरते रिश्तों के बीच, इटली एक महत्वपूर्ण यूरोपीय सहयोगी के रूप में उभर कर सामने आ रहा है, जिसका भारत के लिए रणनीतिक, आर्थिक और सांस्कृतिक महत्व बढ़ रहा है।

भारत के लिए इटली क्यों महत्वपूर्ण है: भविष्य के लिए एक रणनीतिक साझेदारी?

- G7 सदस्य और यूरोपीय संघ में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में, इटली यूरोपीय बाजारों और नीति-निर्माण मंडलियों के लिए भारत के प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है।
- भूमध्य सागर में इटली की भू-राजनीतिक स्थिति और यूरोपीय संघ के अंदर इसका प्रभाव इसे भारत के लिए एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बनाता है।
- दोनों देशों के बीच हाल ही में की गई संयुक्त रक्षा पहल सुरक्षा मामलों में बढ़ते विश्वास और सहयोग को रेखांकित करती है।
 - **समुद्री सहयोग:** हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नौसैनिक अभ्यास और सूचना साझाकरण को बढ़ाना।
 - **आतंकवाद विरोधी प्रयास:** वैश्विक खतरों से निपटने के लिए खुफिया और सुरक्षा उपायों पर सहयोग करना।
 - **रक्षा:** सैन्य हार्डवेयर और साइबर सुरक्षा समाधानों का सह-विकास।

बहुपक्षीय निकायों में सहयोग

- इटली अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन (ISA), आपदा रोधी अवसंरचना गठबंधन (CDRI), भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा (IMEC), वैश्विक जैव ईंधन गठबंधन (GBA) और भारत-प्रशांत महासागर पहल (IPOI) में शामिल होने वाला पहला गैर-उष्णकटिबंधीय देश है।

तकनीकी सहक्रियाएँ

- एयरोस्पेस, रोबोटिक्स और संधारणीय प्रौद्योगिकियों जैसे क्षेत्रों में इटली की विशेषज्ञता भारत की नवाचार-आधारित विकास की आकांक्षाओं के साथ पूरी तरह से मेल खाती है।
- हरित ऊर्जा और डिजिटल अवसंरचना जैसे क्षेत्रों में हाल के समझौते पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी की क्षमता को उजागर करते हैं जो दोनों अर्थव्यवस्थाओं को आगे बढ़ा सकते हैं।

आर्थिक संबंध और व्यापार मात्रा

- द्विपक्षीय व्यापार ने चुनौतीपूर्ण समय में भी लचीलापन दिखाया है, दोनों देशों ने अप्रयुक्त क्षमता को पहचाना है।

- भारत के विनिर्माण क्षेत्र में, विशेष रूप से ऑटोमोटिव और टेक्सटाइल में, इतालवी निवेश महत्वपूर्ण रहे हैं। इसके विपरीत, भारतीय IT फर्मों को इटली के डिजिटलीकरण अभियान में उपजाऊ जमीन मिल रही है।
- जर्मनी, बेल्जियम और नीदरलैंड के बाद इटली यूरोपीय संघ में भारत का चौथा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है।
 - 2022-23 में द्विपक्षीय व्यापार 14.253 बिलियन अमेरिकी डॉलर को पार कर गया, जिसमें हमारा निर्यात 8.691 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा।
- अप्रैल 2000 से मार्च 2023 के दौरान भारत में FDI प्रवाह के मामले में इटली 3.5 बिलियन अमेरिकी डॉलर (DGFT डेटा) के साथ 17वें स्थान पर है।
- FDI आकर्षित करने वाले शीर्ष क्षेत्र - ऑटोमोबाइल (29.8%), ट्रेडिंग (17.1%), औद्योगिक मशीनरी (5.6%), सेवाएँ (5.1%), विद्युत उपकरण (4.6%)।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी

- उन्नत विनिर्माण, डिजाइन और नवाचार में इटली की दक्षता भारत की डिजिटल तथा तकनीकी क्षमताओं का पूरक है।
- विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (DST) ने ट्राइस्टे में अंतर्राष्ट्रीय सैद्धांतिक भौतिकी केंद्र (ICTP) के साथ मिलकर विकासशील देशों के लिए गणित में DST-ICTP रामानुजन पुरस्कार की स्थापना की है। सेनेगल के प्रो. मोहम्मद मुस्तफा को 2022 के लिए यह पुरस्कार दिया गया।
- भारत की अंतरिक्ष पहलों में इटली का रुझान बढ़ता जा रहा है - चंद्रयान-3 मिशन की सफलता को इतालवी वैज्ञानिक समुदाय ने मान्यता दी है और उसका जश्न मनाया है।
- दोनों देशों की अंतरिक्ष एजेंसियों, इतालवी अंतरिक्ष एजेंसी और इसरो, सरकारी संस्थानों, विश्वविद्यालय अनुसंधान केंद्रों तथा एयरोस्पेस कंपनियों के बीच कुछ समय से सहयोग चल रहा है।
- हाल ही में इतालवी अंतरिक्ष एजेंसी और इसरो के प्रमुखों के बीच हस्ताक्षरित एक संयुक्त घोषणापत्र ने विशेष रूप से पृथ्वी अवलोकन, अंतरिक्ष अन्वेषण तथा हेलियो-भौतिकी में नए अवसर प्रशस्त किये गये हैं।
- **हरित प्रौद्योगिकियाँ:** नवीकरणीय ऊर्जा और सतत शहरी विकास में भागीदारी।

सांस्कृतिक कूटनीति

- दोनों देशों की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत लोगों के बीच आपसी संबंधों के लिए एक मजबूत आधार के रूप में कार्य करती है।
- योग से लेकर इतालवी व्यंजनों तक, भारत और इटली के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान एक अद्वितीय बंधन बनाता है जो सरकारी संबंधों से परे है।
- ये सॉफ्ट पावर डायनेमिक्स आपसी समझ और सम्मान को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। 2023-27 की अवधि के लिए सांस्कृतिक सहयोग पर कार्यकारी कार्यक्रम पर 2023 में हस्ताक्षर किए गए थे।

क्या आप जानते हैं?

- इटली के बंदरगाह शहर प्राचीन मसाला मार्ग पर महत्वपूर्ण व्यापारिक केंद्र थे। वेनिस के व्यापारी मार्को पोलो ने पूर्व की ओर अपनी यात्रा के दौरान 13वीं शताब्दी में भारत की यात्रा की और अपने अनुभवों के बारे में लिखा।
- नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर ने मई-जून 1926 में इटली का दौरा किया। महात्मा गांधी ने लंदन में गोलमेज सम्मेलन से भारत लौटते समय दिसंबर 1931 में रोम का दौरा किया।
- ब्रिटिश भारतीय सेना के साथ सेवारत भारतीय सैनिकों को द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान इटली में तैनात किया गया था, जहाँ वे जर्मन और मुसोलिनी की सेनाओं के खिलाफ लड़ रहे थे।

भारत-इटली संबंधों में प्रमुख चिंताएँ और चुनौतियाँ

- भारत और इटली के बीच रोमन काल से ही ऐतिहासिक संबंध रहे हैं, फिर भी उन्हें कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है, जो मुख्य रूप से व्यापार, निवेश और रक्षा सहयोग से जुड़ी हैं। इनमें शामिल हैं:
 - **व्यापार असंतुलन:** भारत का इटली के साथ व्यापार अधिशेष काफी अधिक है, जिसके कारण इटली में चिंताएँ हैं।
 - **टैरिफ बाधाएँ:** दोनों देशों ने कुछ उत्पादों पर टैरिफ लगाए हैं, जिससे व्यापार वृद्धि में बाधा आ रही है।
 - **नौकरशाही:** भारत की जटिल नौकरशाही प्रक्रियाएँ इतालवी निवेशकों को हतोत्साहित कर सकती हैं।
 - **नियामक चुनौतियाँ:** इतालवी कंपनियों को भारत के विनियामक वातावरण में नेविगेट करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है।

रक्षा सहयोग मुद्दे

- **इतालवी नाविकों का मामला:** 2012 में दो भारतीय मछुआरों की हत्या में शामिल इतालवी नौसैनिकों के अधिकार क्षेत्र पर विवाद के कारण दोनों देशों के बीच संबंध खराब हो गए।
- **रक्षा बिक्री:** इटली द्वारा पाकिस्तान को सैन्य उपकरणों की बिक्री ने भारत में चिंता बढ़ा दी है।

भू-राजनीतिक कारक

- **प्रतिस्पर्धी हित:** भारत और इटली के कुछ क्षेत्रों, जैसे मध्य पूर्व और अफ्रीका में अलग-अलग हित हो सकते हैं।
- **वैश्विक गठबंधन:** दोनों देश विभिन्न वैश्विक गठबंधनों के सदस्य हैं, जिससे कभी-कभी परस्पर विरोधी प्राथमिकताएँ उत्पन्न हो सकती हैं।

चुनौतियाँ और संभावनाएँ

- इटली-भारत संबंध भले ही बेहतर हो रहे हैं, लेकिन इसमें चुनौतियाँ भी हैं। व्यापार बाधाएँ, कुछ क्षेत्रों में प्रतिस्पर्धी हित और कभी-कभी सांस्कृतिक गलतफहमियाँ भी बाधाएँ उत्पन्न करती हैं। हालांकि, ये चुनौतियाँ गहन जुड़ाव और समझ के अवसर भी प्रस्तुत करती हैं।

प्रमुख चुनौतियों का समाधान

- **व्यापार बाधाएँ:** भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते के लिए जारी वार्तालाप आर्थिक संबंधों को काफ़ी बढ़ावा दे सकती है।
- **भू-राजनीतिक मतभेद:** क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर बेहतर संवाद दृष्टिकोणों को संरेखित करने में सहायता कर सकता है।
- **सांस्कृतिक सेतु:** शैक्षिक आदान-प्रदान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में वृद्धि से बेहतर आपसी समझ को बढ़ावा मिल सकता है।

आगे की राह

- द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी में बदलने से कूटनीतिक संबंधों में एक नया अध्याय जुड़ गया है। दोनों देशों ने जलवायु परिवर्तन, आतंकवाद निरोध और बहुपक्षीय संस्थाओं में सुधार जैसे वैश्विक मुद्दों पर समान आधार पाया है।
- जैसे-जैसे भारत वैश्विक मंच पर अपनी बढ़त जारी रखता है, इटली के साथ उसके संबंधों का महत्व बढ़ता जाता है।

Source: TH

दैनिक मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न. इटली के ऐतिहासिक संबंध, आर्थिक सहयोग एवं सांस्कृतिक प्रभाव भारत तथा इटली के बीच बहुआयामी संबंधों में कैसे योगदान करते हैं और यह संबंध दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण क्यों है?

■■■■■